



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 12, 1977/पौष 22, 1898

No. 14] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 12, 1977/PAUSA 22, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

ORDER

New Delhi, the 12th January 1977

S.O. 20(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Heavy Industry) No. S.O. 27(E) dated the 13th January, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), as amended by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 11(E) dated the 2nd January, 1976, the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments entered into, given or made, as the case may be, before the 7th May, 1973, to which the industrial undertaking known as M/s. Arthur Butler and Company (Mozufferpore) Limited, Muzaffarpur (Bihar) or the company owning such undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company and in force immediately before the date of issue of the said Order shall remain suspended upto the 12th January, 1977, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto that date;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended further upto 12th January, 1978;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto the 12th January, 1978.

[No. F. 25/14/72-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

उद्योग मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1977

का० आ० 20 (अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के आदेश सं० का० आ० 11 (अ) तारीख 2 जनवरी, 1976 द्वारा यथा-संशोधित भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक-पूर्ति मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के आदेश सं० का० आ० 27 (अ) तारीख 13 जनवरी, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषित किया था कि 7 मई, 1973 से पूर्व, यथा स्थिति, की गई या दी गई सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापन पत्रों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का, जिसकी मेसर्स आर्थर बटलर एण्ड कम्पनी (मोजफरपुर) लिमिटेड, मुजफ्फरपुर (बिहार) या वह कम्पनी, जो ऐसे उपक्रम की स्वामी है, पक्षकार है, अथवा जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू किए जा सकते हैं और उक्त आदेश के जारी होने के ठीक पूर्व प्रवृत्त है, प्रवर्तन 12 जनवरी, 1977 तक निलम्बित रहेगा, और उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं तथा दायित्व निलम्बित रहेंगे।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की कालावधि 12 जनवरी, 1978 तक और बढ़ा दी जानी चाहिए।

अतः, अब केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की कालावधि 12 जनवरी, 1978 तक बढ़ाती है।

[सं० फा० 25/14/72-सी०यू०सी०]

अरूण कुमार घोष, अतिरिक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977